PRESS COVERAGE
of the Meeting on

EVOLVING ROLE OF DVC: THE ROAD AHEAD

THE HINDU
BusinessLine
FRIDAY, AUGUST 19, 2022

'Electricity (Amendment) Bill will power healthy competition'

OUR BUREAU

Kolkata, August 18

Ram Naresh Singh, Chairman, Damodar Valley Corporation (DVC) on Thursday said that the Electricity (Amendment) Bill 2022, if passed, would lead to "healthy and ethical competition" in the industry.

The central government hopes to bring in open access by allowing consumers the right to choose their electricity provider, regardless of who controls the physical infrastructure.

Once enacted, "It will lead to a consumer driven market and monopoly of suppliers will not be there. There has to be a healthy and ethical competition," Singh said at an event organised by the Merchants' Chamber of Commerce & Industry.

Expanding infrastructure

DVC plans to enhance its presence in the T&D (transmission and distribution) infrastructure. The utility, which has so far focussed on industry, is looking to attract residential consumers within its command area. DVC is developing distribution network at level of 11 kV as well and has set up a dedicated distribution wing for developing infrastructure.

It has prepared DPR for retail distribution and plans to invest ₹1,007 crore by 2025 to develop 11 kV infrastructure at 39 locations beginning with Kumardhubi, BIADA and Koderma it had recently announced.

Doubling power plans

Apart from this, DVC has drawn a roadmap for doubling power generation capacity close to 14,000 MW by ramping up both thermal power and renewable energy at an estimated investment of ₹50,000 crore over the next seven-to-eight years.

It currently has a total generation capacity of 6,901 MW including 147.2 MW hydel power and 3.82 MW of rooftop solar project.

Morning India
FRIDAY, KOLKATA, AUGUST 19, 2022

DVC plans extra invest of a round 30K in next decade

(L-R) Dr. Saugat Mukherjee, DG, MCCI, Devendra Goel, Chairman, Council on Power, MCCI, R. P. Singh, Chairman, DVC, Lalit Beriwala, Sr. Vice President, MCCI on interactive session on Evolving Role Of DVC: The Road Ahead at MCCI in Kolkata, on Thursday.

MI News Service, Kolkata: DVC contemplates to invest huge sum in the next decade in the era of 'Atmya Nirbhar Bharat'. R N Singh, Chairman, Damodar Valley Corporation (DVC) intimated the fact as he graced the occasion at a seminar organized by the Merchant Chamber of Commerce & Industry (MCCI) at Kolkata. R N Singh further informed, "India has traversed a big journey from a power deficit nation to power supply nation and that too at an enviable pace." He also informed that DVC envisages generating 15000 MW by 2030. He also emphasized on solar and Hydro pump storage project including special emphasis in the domain of renewable energy. As per sources from DVC, it is giving much importance on green hydrogen and battery storage sector. The sources also confirmed coming up of additional Thermal Units (TU) at Durgapur, Raghunathpur, & Koderma. Singh also intimated the fact that DVC contemplates to invest in areas like ground solar projects and floating solar projects as well. DVC aims to built up 2000MW floating solar PV plant at DVC Dam in Maithon by 2024 – 25. DVC also plans to build up 120 MW ground solar PV plant at DVC stations by 2024 – 25. He also mentioned that the importance of thermal power projects cannot be undermined at any stage and its demand has to be taken care of with effective proficiency. While interacting, Singh also intimated that monopoly in power generation and distribution is not a salubrious phenomenon and healthy and ethical competition is imperative in this respect.

millenniumpost
FRIDAY, 19 AUGUST, 2022 | KOLKATA

(L-R) Abhijit Sen, DVC, Dr. Sougat Mukherjee, DG, MCCI, Devendra Goel, Chairman, Council on Power, MCCI, R P Singh, Chairman, DVC, Lalit Beriwala, Sr. Vice President, MCCI and Arup Sarkar, Member, Finance, DVC at an Interactive Session on EVOLVING ROLE OF DVC: THE ROAD AHEAD at MCCI.

'24 घंटे बिजली उपलब्ध कराने को प्रतिबद्ध'

कोलकाता: डीवीसी 24 घंटे बिजली उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। मर्चेंट चैंबर ऑफ कामर्स (एमसीसीआई) द्वारा आयोजित कार्यक्रम में आर एन सिंह, अध्यक्ष, दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) ने यह बात कही। डीवीसी पूर्वी क्षेत्र में बिजली उत्पादन में एक प्रमुख भूमिका निभाता है। पिछले साल पूर्वी क्षेत्र में बिजली की कुल मांग 24,000 मेगावाट दर्ज की गई, जिसमें डीवीसी ने 6,000 मेगावाट का योगदान दिया। दिसंबर 2024 तक, डीवीसी 30 मेगावाट के फ्लोटिंग सोलर प्लांट शुरू करने में सक्षम होगा और 2024-25 तक, 2,000 मेगावाट के फ्लोटिंग सोलर पीवी प्लांट भी शुरू करेगा। डीवीसी 2030 तक अपने ताप विद्युत उत्पादन में 3,720 मेगावाट की वृद्धि करेगा। सत्र को अरूप सरकार, सदस्य (वित्त) , असीम नंदी, कार्यकारी निदेशक (वाणिज्यिक) और डी. पुइतंडी, मुख्य अभियंता (वाणिज्यिक) ने भी संबोधित किया। एमसीसीआई के वरिष्ठ उपाध्यक्ष ललित बेरीवाला ने स्वागत भाषण दिया। देवेंद्र गोयल, अध्यक्ष, विद्युत और नवीकरणीय ऊर्जा परिषद, एमसीसीआई ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

डीवीसी के चेयरमैन बोले : अक्षय ऊर्जा के विकास में भारत सबसे आगे

- देश में जरूरत से ज्यादा बिजली का उत्पादन

संवाददाता ▷ कोलकाता

पूरी दुनिया अब नवीकरणीय या अक्षय ऊर्जा के विकास पर विशेष जोर दे रही है और इस दिशा में भारत काफी तेज काम कर रहा है. अक्षय ऊर्जा के विकास में भारत अन्य देशों से काफी आगे है. यह जानकारी गुरुवार को दामोदर घाटी निगम(डीवीसी) के चेयरमैन आरएन सिंह ने यहां वाणिज्य मंडल की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में दी. उन्होंने कहा कि देश में नवीकरणीय ऊर्जा के विकास की रफ्तार का अंदाजा इसी से लगता है कि भारत ने बिजली की स्थापित कुल उत्पादन क्षमता में सौर और पवन ऊर्जा समेत गैर-जीवाश्म ऊर्जा स्रोतों की हिस्सेदारी 40 प्रतिशत करने का लक्ष्य पा लिया है. हालांकि, भारत ने वर्ष 2030 तक अपनी कुल बिजली उत्पादन क्षमता का 40 प्रतिशत गैर-जीवाश्म ऊर्जा स्रोतों से पाने का लक्ष्य तय किया था. उसको नौ वर्ष पहले ही भारत सरकार ने पा लिया है. इसके अलावा भारत सरकार ने वर्ष 2030 तक सौर व पवन ऊर्जा समेत गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से पांच लाख मेगावॉट की बिजली क्षमता पाने की प्रतिबद्धता जतायी है.

श्री सिंह ने आगे कहा कि पहले भारत में बिजली की कमी थी, पर बीते एक दशक में केंद्र, राज्य सरकारों व बिजली उत्पादन कंपनियों के साझा उद्यम से अब देश में मांग से अधिक बिजली का उत्पादन हो रहा है. देश के ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिदिन औसतन 20-22 घंटे और शहरी क्षेत्रों में औसतन 23 घंटे निर्बाध बिजली की आपूर्ति हो रही है. डीवीसी भी नवीकरणीय ऊर्जा के विकास पर खा जोर दे रहा है. डीवीसी की योजना दिसंबर 2024 तक ताप विद्युत केंद्रों में 30 मेगावाट की क्षमता के फ्लोटिंग सोलर प्लांट, 2024-25 तक डैम रिजरवॉयर में 2000 मेगावाट के फ्लोटल सोलर पीवी प्लांट व डीवीसी के केंद्रों पर 120 मेगावाट की क्षमता के ग्राउंड सोलर पीवी प्लांट और वर्ष 2028 तक लुगू पहाड़ पर 1500 मेगावाट की क्षमता का पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट लगाने की है. श्री सिंह ने बताया कि फ्लोटिंग व ग्राउंड सोलर पावर प्लांट लगाने के लिए डीवीसी ने एनटीपीसी व एसवीएनएल और पंप स्टोरेज पावर प्रोजेक्ट के लिए एनएचपीसी के साथ समझौता किया है. अक्षय ऊर्जा के साथ डीवीसी अपने ताप विद्युत केंद्रों का भी विस्तार कर रही है. डीवीसी की वर्तमान ताप बिजली उत्पादन क्षमता 6901 मेगावाट है, जिसे वर्ष 2030 तक बढ़ा कर 10 हजार मेगावाट करने का लक्ष्य है. वर्ष 2027 तक डीवीसी के रघुनाथपुर ताप विद्युत केंद्र में 660 मेगावाट की उत्पादन क्षमता की दो अतिरिक्त इकाइयां लगेंगी. वहीं, वर्ष 2028 तक दुर्गापुर ताप विद्युत केंद्र में 800 मेगावाट और वर्ष 2030 तक कोडरमा ताप विद्युत केंद्र में 800 मेगावाट की उत्पादन क्षमता की दो अतिरिक्त इकाइयां लगायी जायेंगी. इन तीनों इकाइयों के लिए डीवीसी की ओर से लगभग 30 हजार करोड़ रुपये का निवेश होगा. इसके अलावा अक्षय ऊर्जा के विकास पर 20 हजार करोड़ रुपये खर्च होंगे. उक्त कार्यक्रम में डीवीसी के सदस्य-वित्त अरूप सरकार भी उपस्थित थे.

Anandabazar Patrika Calcutta Friday 19 August 2022 আনন্দবাজার পত্রিকা

নজর গৃহস্থের ঘরে, বার্তা ডিভিসি-র

নিজস্ব সংবাদদাতা

শিল্পের পরে এ বার গৃহস্থ গ্রাহককে বিদ্যুৎ জোগাতে আগ্রহী দামোদর ভ্যালি কর্পোরেশন (ডিভিসি)। বৃহস্পতিবার সংস্থার চেয়ারম্যান রাম নরেশ সিংহের বার্তা, সংশোধিত বিদ্যুৎ বিল পাশ হলেই লাইসেন্সপ্রাপ্ত এলাকা, দামোদর উপত্যকার বাইরেও পরিষেবা ছড়াতে তৈরি হবেন তাঁরা।

এ দিন মার্চেন্ট চেম্বারের সভায় এবং তার পরে ডিভিসি কর্তা জানান, ভবিষ্যতে গৃহস্থ গ্রাহককে পরিষেবা দেওয়ার পরিকল্পনা। তাই ৪৪০ ভোল্ট কিংবা ২৩০ ভোল্টের বণ্টন পরিকাঠামো তৈরি করতে হবে। উপদেষ্টা নিয়োগের প্রক্রিয়া চলছে। ইতিমধ্যেই ঝাড়খণ্ডের গিরিডি থেকে বাড়ি বাড়ি বিদ্যুৎ দেওয়ার প্রস্তাব এসেছে। সংস্থার আশা, এই পরিষেবা শুরু করতে বছর দুয়েক লাগবে।

কেন্দ্রীয় বিদ্যুৎমন্ত্রী আর কে সিংহ সম্প্রতি ডিভিসি-কে নির্দিষ্ট এলাকার গণ্ডি ছেড়ে জাতীয় স্তরের বিদ্যুৎ উৎপাদন এবং বণ্টন সংস্থা হয়ে ওঠার বার্তা দেন। ডিভিসি কর্তার ইঙ্গিত, নতুন বিদ্যুৎ বিল পাশ হলেই তাঁরা সেই কাজে নামবেন। কারণ তাতে যে কোনও সংস্থাকে দেশের যে কোনও জায়গায় বিদ্যুৎ বণ্টনের সুযোগ দেওয়া হয়েছে। তিনি বিলের পক্ষে সওয়াল করে জানান, তাঁরা ব্যবসা সম্প্রসারণে আগ্রহী। এতে সুস্থ প্রতিযোগিতা বাড়লে গ্রাহকের সুবিধা হবে।

এ দিকে, তিলাইয়া, পাঞ্চেৎ, মাইথন এবং কোনার বাঁধে ভাসমান সৌর বিদ্যুৎ প্রকল্প হাতে নিচ্ছে ডিভিসি। চেয়ারম্যান জানান, ২০২৪-২৫ সালের মধ্যে তা চালুর আশা।

আজকাল

AAJKAAL KOLKATA FRIDAY 19 AUGUST 2022

এমসিসিআইয়ের সিনিয়র ভাইস প্রেসিডেন্ট ললিত বেরিওয়ালা ও চেয়ারম্যান, কাউন্সিল অন পাওয়ার দেবেন্দ্র গোয়েল স্মারক তুলে দিচ্ছেন ডিভিসি-র চেয়ারম্যান আর পি সিংয়ের হাতে। ছিল একটি আলোচনাচক্র। 'ইভল্ভিং রোল অফ ডিভিসি: দ্য রোল অ্যাহেড'। এমসিসিআইয়ে, বৃহস্পতিবার। ছবি: আজকাল

KOLKATA • DAINIK STATESMAN FRIDAY 19 AUGUST 2022

কলকাতায় মার্চেন্ট চেম্বার অফ কমার্সের এক আলোচনা সভায় সংগঠনের বিভিন্ন বিষয়ে প্রশ্নের উত্তর দিচ্ছেন চেয়ারম্যান আর এন সিং। —দিলীপ দত্ত

একদিন

কলকাতা, ১৯ আগস্ট ২০২২

অগ্রগতিতে ডিভিসির ভূমিকা নিয়ে একটি ইন্টার অ্যাকটিভ সেশনে ললিত বেরিওয়ালা (সিনিয়র ভাইস প্রেসিডেন্ট), দেবেন্দ্র গোয়েল (চেয়ারম্যান, কাউন্সিল অন পাওয়ার, এমসিসিআই) স্মারক উপহার দিচ্ছেন ডিভিসি চেয়ারম্যান আরপি সিংকে।

গৃহস্থ বাড়িতেও বিদ্যুৎ পৌঁছে দিতে তৈরি হচ্ছে ডিভিসি

এই সময়: সাধারণ গার্হস্থ্য গ্রাহকদেরও বিদ্যুৎ সরবরাহ করবে ডিভিসি। আগামী দু'বছরের মধ্যে তারা তা সরবরাহ করার পরিকল্পনা করেছে। কী ভাবে তা করা হবে সেটা খতিয়ে দেখতে একটি উপদেষ্টা সংস্থা শীঘ্র নিয়োগ করতে চলেছে ডিভিসি।

বৃহস্পতিবার কলকাতায় বণিকসভা এমসিসিআই-এর এক অনুষ্ঠানের ফাঁকে ডিভিসি চেয়ারম্যান রাম নরেশ সিং বলেন, 'দামোদর উপত্যকা এলাকায় ডিভিসি এখন শিল্প গ্রাহকদের বিদ্যুৎ সরবরাহ করে থাকে। এবার আমরা ওই এলাকায় সাধারণ গার্হস্থ্য গ্রাহকদেরও বিদ্যুৎ বণ্টন করার পরিকল্পনা করেছি। এ ব্যাপারে ঝাড়খণ্ডের গিরিডি জেলা থেকে আমাদের কাছে একটি প্রস্তাবও এসেছে। কী ভাবে সাধারণ গার্হস্থ্য গ্রাহককে বিদ্যুৎ বণ্টন করা হবে তার সমস্ত বিষয় খতিয়ে দেখতে আমরা একটি উপদেষ্টা সংস্থা নিয়োগ করতে চলেছি। তবে বিদ্যুৎ বণ্টন শুরু করতে দু'বছর মতো লাগবে।'

বর্তমানে ডিভিসি ন্যূনতম ১১ কেভি সাব-স্টেশন থেকে অতি ক্ষুদ্র, ছোট ও মাঝারি শিল্প গ্রাহকদের বিদ্যুৎ সরবরাহ করে। তার থেকে বড় কলকারখানার জন্য তাদের ৩৩ কেভির সাব-স্টেশন রয়েছে। গার্হস্থ্য গ্রাহকদের বিদ্যুৎ দিতে ১১ কেভি-রও নীচে বণ্টন ব্যবস্থা তৈরি করবেন বলে রাম নরেশ জানিয়েছেন। এক প্রশ্নের উত্তরে তাঁর মন্তব্য, 'আমরা ৪৪০ ভোল্ট, ২৩০ ভোল্টেও বিদ্যুৎ সরবরাহ করব।' উল্লেখ্য, বিদ্যুৎ বণ্টন সংস্থাগুলি ৪৪০ ভোল্ট ও ২৩০ ভোল্টে গার্হস্থ্য গ্রাহকদের বিদ্যুৎ সরবরাহ করে।

কেন্দ্রীয় সরকার ভারতে নয়া বিদ্যুৎ আইন নিয়ে আসতে সচেষ্ট হয়েছে। এই মর্মে তারা একটি সংশোধনী বিলও সংসদে নিয়ে এসেছে। তবে বিরোধীদের আপত্তিতে বিলটি সংসদের স্থায়ী কমিটির কাছে পাঠানো হয়েছে। প্রস্তাবিত বিলটি আইনে পরিণত হলে গ্রাহকরা তাদের পছন্দমতো বণ্টন সংস্থার কাছ থেকে বিদ্যুৎ সরবরাহ নিতে পারবেন। কেন্দ্রের দাবি, এর ফলে গ্রাহকদের স্বার্থ যেমন সুরক্ষিত হবে, তেমনই বিদ্যুৎ বণ্টনেও প্রতিযোগিতা আসবে, যা এখন নেই।

ডিভিসি চেয়ারম্যান জানিয়েছেন, নয়া আইন আসার পরে তাঁরা তাঁদের এলাকার বাইরেও বিদ্যুৎ সরবরাহ করার ভাবনাচিন্তা করছেন। সে ক্ষেত্রে দামোদর উপত্যকা এলাকার বাইরে যে কোনও জায়গায় গ্রাহকদের বিদ্যুৎ বণ্টন করবে ডিভিসি। স্বাভাবিক ভাবে যে সংস্থার বিদ্যুৎ সস্তা এবং নির্ভরযোগ্য ও নিরবচ্ছিন্ন হবে, তার থেকেই সরবরাহ নেবে গ্রাহক। এ ব্যাপারে ডিভিসি চেয়ারম্যানের দাবি, তাঁদের বিদ্যুৎ ভারতে অন্যতম সস্তা এবং সরবরাহের নিরিখে অত্যন্ত নির্ভরযোগ্য।

বর্ধমানের বহু কারখানা রয়েছে যারা পশ্চিমবঙ্গ রাজ্য বিদ্যুৎ বণ্টন সংস্থার 'দামি' বিদ্যুতের বদলে ডিভিসির 'সস্তা' বিদ্যুৎ ব্যবহার করতে ডিভিসির কাছে আবেদন করেছে। কিন্তু, ওই কারখানাগুলি বণ্টন সংস্থার এলাকার মধ্যে থাকায় ডিভিসি বর্তমানে সেখানে বিদ্যুৎ সরবরাহ করতে পারছে না।

এ ব্যাপারে বণ্টন সংস্থা বা অন্য কারও নাম না করে ডিভিসি চেয়ারম্যান বলেন, 'একবার বিদ্যুৎ বিল পাশ হোক, তার পর বাজার নিয়ন্ত্রণ করবে গ্রাহকরাই। আমরা সমস্ত গ্রাহকের কাছে যাব। কেন কারও একচেটিয়া কারবার থাকবে? আমরা স্বাস্থ্যকর ও নৈতিক প্রতিযোগিতায় বিশ্বাস করি।'

অন্য দিকে, তিনি জানিয়েছেন, কোনও গ্রাহক যদি শুধুমাত্র অপ্রচলিত বিদ্যুৎ চায়, ডিভিসি তা সরবরাহ করবে। এতে গ্রাহকদের মাশুল কম পড়বে। পাশাপাশি, শুধুমাত্র অপ্রচলিত বিদ্যুৎ ব্যবহার করার জন্য সংশ্লিষ্ট গ্রাহক কার্বন ক্রেডিটও পাবে। এজন্য আগামী ৬-৭ মাসের মধ্যে ডিভিসি একটি নীতি নিয়ে আসবে বলে রাম নরেশ জানিয়েছেন।

অপ্রচলিত বিদ্যুৎ উৎপাদনেও ডিভিসি বড় পরিকল্পনা নিয়ে এগোচ্ছে। আগামী ২০২৪-২৫ সালের মধ্যে তাদের চারটি বাঁধের জলাধারে যৌথ উদ্যোগে মোট ১,০০০ মেগাওয়াটের ভাসমান সৌরবিদ্যুৎ প্রকল্প তৈরি করার কথা জানিয়েছে ডিভিসি। এর মধ্যে ৭৫০ মেগাওয়াটের জন্য বিশদ প্রকল্প রিপোর্টও তৈরি হয়ে গিয়েছে। পাশাপাশি, বোকারোয় গ্রিন হাইড্রোজেন উৎপাদনের পাইলট প্রকল্প গড়ার পরিকল্পনার কথা জানিয়েছেন রাম নরেশ। প্রকল্পটিতে বিশ্ব ব্যাঙ্কের আর্থিক সহায়তা দেওয়ার কথা।

SANGBAD PRATIDIN 19 AUGUST 2022

ডিভিসি কর্তার মুখেও 'খেলা হবে'

স্টাফ রিপোর্টার: এবার তৃণমূলের 'খেলা হবে' স্লোগান শোনা গেল ডিভিসি-র চেয়ারম্যান আর এন সিংয়ের গলাতেও। বৃহস্পতিবার শহরে বণিকসভা আয়োজিত এক অনুষ্ঠানে নয়া বিদ্যুৎ বিলের পক্ষে সওয়াল করতে গিয়ে এই স্লোগানই শোনা যায় তাঁর গলায়। তিনি বলেন, "কেন্দ্রের বিদ্যুৎ নিয়ন্ত্রণ সংশোধনী বিল কার্যকর হলে বণ্টনকারী সংস্থাগুলোর মধ্যে প্রতিযোগিতা শুরু হবে। যে কোনও সংস্থা যে কোনও জায়গাতেই বিদ্যুৎ বণ্টন করতে পারবে। ফলে প্রত্যেককেই গ্রাহক ধরে রাখতে কম দামে ভাল পরিষেবা দিতে হবে। আর তখনই খেলা হবে।" সেক্ষেত্রে ডিভিসি অন্যদের তুলনায় ভাল পরিষেবা দেবে বলেই জানান চেয়ারম্যান। রাজ্যে ডিভিসির যে জলাধারগুলো রয়েছে, সেগুলিকে কেন্দ্র করে পর্যটনকেন্দ্র তৈরি করা হবে বলেও জানান তিনি। জলাধারের পরিকাঠামো ঠিক রেখে সেখানে পর্যটনকেন্দ্র তৈরি করা হবে। প্যাকেজে পর্যটকদের সেখানে ঘোরানো হবে। নয়া সংশোধনী বিল অনুযায়ী, দেশের বিদ্যুৎ সংস্থাগুলি বিভিন্ন জায়গায় বিদ্যুৎ সরবরাহ শুরু করতে পারে। দেওয়া হবে লাইসেন্সও। এদিন চেয়ারম্যান আরও বলেন, "মাইথন, পাঞ্চেত-সহ চারটি জলাধারে সৌরবিদ্যুতের প্যানেল বসিয়ে দুই হাজার মেগাওয়াট বিদ্যুৎ উৎপাদনের পরিকল্পনা নিয়েছে ডিভিসি। পাশাপাশি 'গ্রিন হাইড্রোজেন' জ্বালানি উৎপাদনের পরিকল্পনাও রয়েছে।" রাজ্যে ডিভিসির তাপবিদ্যুৎ কেন্দ্র চারটি রয়েছে। সেখানে আরও ২০০০ মেগাওয়াট তাপবিদ্যুৎ উৎপাদন বাড়ানো হবে বলে জানা গিয়েছে।